Series SMA/2

कोड नं.
Code No. **2/2/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

स्वामी विवेकानंद भारत में राष्ट्रीय स्वतंत्रता-आंदोलन का सूत्रपात करने वाले महानायकों में थे । स्वाधीनता-संग्राम में भाग लेने वाले तमाम भारतीयों ने उनसे प्रेरणा ली थी । उन्होंने न केवल आध्यात्मिक उत्थान का मार्ग दिखाया, बल्कि सामाजिक जीवन जीने का तरीक़ा भी सिखाया ।

आज हम ऐसी दुनिया में जी रहे हैं जहाँ हिंसा है, घृणा है, आतंकवाद है, आत्मघाती दस्ता है । अपने को संगत और नैतिक ठहराने के लिए धार्मिक नारों का उपयोग किया जाता है । लोग इस बात पर विश्वास करते हैं कि 'मेरा भगवान तुम्हारे भगवान से बड़ा है !' पर यदि कोई व्यक्ति स्वामी विवेकानंद की शिक्षा के अनुसार दरिद्रनारायण की सेवा में आस्था रखता है तो वह आतंकवादी कैसे हो सकता है । सच्चा धार्मिक व्यक्ति उदार होता है, वह किसी आत्मघाती दस्ते में कैसे शामिल हो सकता है !

स्वामी विवेकानंद के पास ऐसे तमाम सवालों के जवाब हैं और विभिन्न धर्मों तथा मतों के स्वतंत्र अस्तित्व के लिए समुचित तर्क भी हैं । स्वामी जी ने विश्व धर्म-सम्मेलन में बिलकुल ठीक कहा था — "यदि कोई सोचता है कि उसी का धर्म पले-बढ़े और दूसरों के धर्म नष्ट हो जाएँ, तो ऐसे लोगों की दुर्बुद्धि पर मुझे दया आती है । मैं उसे बताना चाहता हूँ कि बहुत जल्द, तमाम बाधाओं के बावजूद, प्रत्येक धर्म के बैनर पर लिखा जाएगा — 'लड़ो नहीं, मदद करो'; 'विनाश नहीं, निर्माण करो'; 'वैमनस्य नहीं, सौहार्द और शांति' ।"

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(ख) स्वामी विवेकानंद को स्वतंत्रता-आंदोलन का महानायक क्यों कहा गया है ? *2*

(ग) आज के विश्व के नकारात्मक पहलू क्या-क्या हैं ? *2*

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए — मेरा भगवान तुम्हारे भगवान से बड़ा है । *2*

(ङ) 'दरिद्रनारायण' से क्या तात्पर्य है ? *1*

(च) स्वामी जी ने 'दुर्बुद्धि' किसे कहा है ? उन्हें क्या समझाया गया है ? *2*

(छ) सच्चा धार्मिक व्यक्ति आतंकवादी क्यों नहीं हो सकता ? *2*

(ज) मिश्र वाक्य में बदलिए : *1*

स्वामी विवेकानंद भारत में राष्ट्रीय स्वतंत्रता-आंदोलन का सूत्रपात करने वाले महानायकों में थे ।

(झ) उपसर्ग अलग कीजिए — दुर्बुद्धि, बावजूद । *1*

(ञ) प्रत्यय अलग कीजिए — आध्यात्मिक, आत्मघाती । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

बेटी विदा होने के बाद घर को देखती है माँ
ज़रा-सी आवाज़ में भी बेटी को सुनती है माँ ।
आँगन-चौबारे का सूनापन देखकर अब डरती है, और —
जहाँ बैठकर बेटी माँ को धूप मला करती थी
वहाँ की छाँव से भी अब डरती है माँ ।

सजे पड़े हैं गुड्डे-गुड़ियाँ
पता नहीं कब बोल पड़ें —
इसलिए उस तरफ़ नहीं देखती है माँ ।
बेटी के हाथ के कसीदे, दीवारों पर लटकी तस्वीरें
जिन्हें देख ख़ुश होती थी
अब आँसू छलका देती है माँ ।

उसकी किताबों के उड़ते पन्ने, कंघी में उलझे बाल...
कभी ग़ुस्सा होती थी, आज सीने से लगा लेती है माँ !
'अभी चली जाऊँ बेटी के पास —
लेकिन..., अच्छा नहीं लगेगा...'
समय से लड़ती इसी उधेड़-बुन में रहती है माँ !

(क) आँगन-चौबारे के सूनेपन का क्या कारण है और इसका माँ पर क्या प्रभाव दिखाई देता है ?

(ख) माँ गुड्डे-गुड़ियों की ओर क्यों नहीं देखती ?

(ग) बेटी की कौन-सी आदतें माँ को पसंद नहीं थीं ? आज उसकी क्या प्रतिक्रिया दिखाई पड़ती है ?

(घ) माँ की 'उधेड़-बुन' क्या है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए :
ज़रा-सी आवाज़ में भी बेटी को सुनती है माँ !

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर निबन्ध लिखिए : *5*

(क) इंटरनेट की दुनिया

(ख) भ्रष्टाचार-उन्मूलन — क्यों और कैसे

(ग) प्रगति-पथ पर भारत

(घ) राष्ट्रभाषा राष्ट्र की पहचान

4. आप सपरिवार अपनी गाड़ी से घर लौट रहे थे कि एक दुर्घटना की चपेट में आ गए । पुलिस मौक़े पर पहुँची पर व्यर्थ के प्रश्नों में उलझी रही । अनजान दर्शकों ने अस्पताल पहुँचाया । पुलिस अब रिपोर्ट भी नहीं लिखना चाहती । पूरी घटना का संक्षिप्त विवरण देते हुए पुलिस आयुक्त को पत्र लिखिए । *5*

अथवा

ग्रीष्मावकाश में आपका 'सेवादल' ग़रीब बस्तियों में सेवा-कार्य करना चाहता है । अपने प्रस्तावित कार्यक्रम का संक्षेप में उल्लेख करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए जिसमें समान विचारधारा के अन्य युवकों से अपने समूह से जुड़ने का आग्रह किया गया हो ।

5. (क) निम्नलिखित के संक्षेप में उत्तर दीजिए : *1×5=5*

(i) प्रिंट माध्यम से आप क्या समझते हैं ?

(ii) इंटरनेट पत्रकारिता की लोकप्रियता के दो कारण लिखिए ।

(iii) पत्रकारिता में 'बीट' किसे कहा जाता है ?

(iv) खोजी पत्रकारिता का क्या तात्पर्य है ?

(v) किन्हीं चार 24 × 7 हिन्दी समाचार चैनलों के नाम लिखिए ।

(ख) 'सूखे से तड़पता जीवन' **अथवा** 'आँखों देखी दुर्घटना' विषय पर एक आलेख लिखिए । *5*

6. 'शहरों की ओर भागते गाँव' **अथवा** 'बाल मज़दूरी का अभिशाप' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख तैयार कीजिए । *5*

खण्ड ग

7. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×4=8*

रुद्ध कोष है, क्षुब्ध तोष
अँगना-अंग से लिपटे भी
आतंक अंक पर काँप रहे हैं
धनी, वज्र-गर्जन से बादल !
त्रस्त नयन — मुख ढाँप रहे हैं !
जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर !

(क) 'विप्लव के वीर' किसे कहा गया है और क्यों ?

(ख) शोषण से कृषक की दशा कैसी हो चली है ? उसे इससे मुक्ति कैसे प्राप्त हो सकती है ?

(ग) शोषक वर्ग के लिए प्रयुक्त विशेषणों का औचित्य समझाइए ।

(घ) धनी कैसा जीवन जी रहे हैं ? क्रांति की गर्जना का उन पर क्या प्रभाव पड़ रहा है ?

अथवा

जथा पंख बिनु खग अति दीना । मनि बिनु फनि करिबर कर हीना ॥
अस मम जिवन बंधु बिनु तोही । जौं जड़ दैव जियावै मोही ॥
जैहउँ अवध कवन मुहुँ लाई । नारि हेतु प्रिय भाइ गँवाई ॥
बरु अपजस सहतेउँ जग माहीं । नारि हानि बिसेष छति नाहीं ॥

(क) भाई के बिना जीवन की तुलना किनसे की गई है ? कथन का भाव स्पष्ट कीजिए ।

(ख) राम को अयोध्या लौटने में संकोच क्यों है ?

(ग) पद्यांश के आधार पर राम की व्याकुलता के दो कारण लिखिए ।

(घ) 'नारि हानि बिसेष छति नाहीं ।'
तुलसी की उपर्युक्त मान्यता पर तर्कसम्मत टिप्पणी कीजिए ।

8. निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×3=6*

सवेरा हुआ
ख़रगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा
शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नई साइकिल तेज़ चलाते हुए
घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर से ।

(क) उपमा अलंकार का उदाहरण चुनकर उपमा का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश की बिंब-योजना की दो विशेषताएँ बताइए ।

(ग) मानवीकरण अलंकार का एक उदाहरण चुनकर उसका सौंदर्य समझाइए ।

अथवा

मैं स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ
मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ,
जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते —
मैं अपने मन का गान किया करता हूँ ।

(क) काव्यांश से अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण चुनकर लिखिए ।

(ख) रूपक अलंकार का उदाहरण चुनकर उसका सौंदर्य समझाइए ।

(ग) काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) सोदाहरण सिद्ध कीजिए कि 'उषा' कविता गाँव की सुबह का गतिशील चित्र है ।

(ख) भाव स्पष्ट कीजिए :

कविता एक खिलना है फूलों के बहाने
कविता का खिलना फूल क्या जाने ।

(ग) 'कैमरे में बंद अपाहिज़' कविता में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए ।

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×4=8*

वायदा करके झुठलाने के क्या माने ? जान देकर भी वायदा पूरा करना होगा । मगर कैसे ? अच्छा, अगर इसे कीनुओं की टोकरी में सबसे नीचे रख लिया जाए तो इतने कीनुओं के ढेर में इसे कौन देखेगा ? और अगर देख लिया ? नहीं जी, फलों की टोकरियाँ तो आते वक्त भी किसी की नहीं देखी जा रही थीं ।

(क) पाठ और उसके रचनाकार का नामोल्लेख करते हुए बताइए कि उक्त चिंतन किसका है ?

(ख) ऐसा क्या वायदा है जिसे पूरा करने के लिए जान भी दी जा सकती है ?

(ग) समस्या का समाधान क्या सोचा गया ? क्यों ?

(घ) आपके विचार से ऐसी समस्याओं का राजनैतिक हल क्या हो सकता है ?

अथवा

जैसे मेरे नाम की दुर्वहता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी । वैसे तो जीवन में सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बड़ी समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धिसूचक नाम किसी को बताती नहीं, केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए अपने शेष इतिवृत्त के साथ इसे भी बता दिया, पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का प्रयोग न करूं ।

(क) रचना और रचनाकार का नामोल्लेख करते हुए बताइए कि यह कथन किसके बारे में है ।

(ख) लेखिका के नाम में ऐसा क्या है जिसकी विशालता उन्हें दुर्वह लगती है ?

(ग) भक्तिन को समझदार क्यों कहा गया है ? वह अपना नाम क्यों छिपाती है ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए :

'लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी ।'

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3×4=12*

(क) जाति-प्रथा को श्रम-विभाजन का ही एक अंग मानने के पीछे डॉ. भीमराव आंबेडकर ने क्या तर्क दिए हैं ?

(ख) लुट्टन पहलवान को राजा जी की कृपादृष्टि कब प्राप्त हुई ? उसके बाद उसके रहन-सहन में क्या परिवर्तन आया ?

(ग) चार्ली चैप्लिन के व्यक्तित्व की तीन विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ?

(घ) हजारीप्रसाद द्विवेदी ने शिरीष को 'कालजयी अवधूत' क्यों माना है ?

(ङ) 'बाज़ार दर्शन' में ग्राहकों के किन प्रकारों की चर्चा हुई है ? आप अपने को किस श्रेणी का ग्राहक मानते हैं ?

12. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) यशोधर पंत को अपने बच्चों की तरक्की अच्छी भी लगती है और 'समहाउ इंप्रौपर भी' । कारण स्पष्ट कीजिए ।

(ख) ऐन ने अपनी डायरी को किट्टी को संबोधित कर क्यों लिखा होगा ?

(ग) पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि सिंधु सभ्यता ताकत से शासित नहीं थी, समझ से अनुशासित सभ्यता थी ।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2=4*

(क) कार्यालय में सेक्शन आफीसर वाई.डी. पंत और उसके सहयोगियों के सम्बन्धों पर अपना मत व्यक्त कीजिए ।

(ख) " 'जूझ' कहानी गँवई जीवन के खुरदुरे यथार्थ और उसके परिवेश की गाथा है ।" इस कथन पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) मुअनजो-दड़ो की प्रसिद्धि के दो कारण बताइए ।

14. ऐन फ्रेंक ने अपनी डायरी में अपने समय में स्त्रियों की दशा के बारे में क्या कहा है ? आज इन परिस्थितियों में क्या-क्या परिवर्तन आए हैं ? *5*

अथवा

'सिल्वर वेडिंग' कहानी के आधार पर यशोधर पंत के चरित्र की चार प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।